दैनिक भास्कर, भारतीय सेवा समाज तथा हनुमान सेवा समिति का सालासर में संयुक्त आयोजन

अस्थमा निदान शिविर में सैकड़ों लाभान्वित

भास्कर न्यूज♦ सालासर, 1 मार्च। सामाजिक सरोकारों में अहम भूमिका निभा रहे दैनिक भास्कर और दमा मुक्त राजस्थान के संकल्प के साथ कार्यरत संस्था भारतीय सेवा समाज, राजस्थान के संयुक्त तत्वावधान में हनुमान सेवा समिति द्वारा स्वामी कृष्णानंद महाराज की प्रेरणा से सालासर के हनुमान होमियो हाल में अस्थमा निदान शिविर का आयोजन बुधवार को किया गया। 176 अस्थमा पीड़ितों ने शिविर का लाभ उठाया।

डा. आदिल गौरी तथा डा. हरिराम शर्मा ने स्पेयरोमीटर से मरीजों की जांच कर 15 जड़ी-बूटियों से तैयार हर्बल दवा आस्था-15 उन्हें वितरित की। डा. आदिल गौरी ने बताया कि इस रोग के निदान के लिए तीन माह तक आस्था-15 कैप्शूल लेना जरूरी है। उन्होंने बताया कि इस दौरान रोगियों को नशा, धूम्रपान, तली हुई चीजों आदि से परहेज करना चाहिए। भारतीय सेवा समाज के मंत्री पृथ्वीराज रतनू ने बताया कि संस्था द्वारा अब तक लगाए गए करीब 350 शिविरों में 35 हजार से भी अधिक दमा रोगी लाभान्वित हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि संस्था का उद्देश्य प्रदेश को अस्थमा मुक्त बनाना है। इस मौके पर दैनिक भास्कर के संपादकीय प्रभारी कमल माथुर तथा शाखा प्रबंधक अनुराग माथुर भी उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि भास्कर इस तरह के प्रत्येक सेवाकार्य में अग्रणी रहा है तथा भविष्य में अन्य स्थानों पर भी ऐसे शिविर आयोजित करने के लिए कटिबद्ध है। हनुमान सेवा समिति के अध्यक्ष रमेश पुजारी ने बताया कि आगामी अस्थमा निदान शिविर इसी स्थान पर 30 मार्च को आयोजित किया जाएगा। शिविर में संतोष पुजारी, श्रवणकुमार सारड़ीवाल, नंदकिशोर पुजारी, भगवानाराम, आशीष पंडित आदि कार्यकर्ताओं ने अपनी सेवाएं दीं।

सालासर। भारतीय सेवा समाज, दैनिक भास्कर तथा हनुमान सेवा समिति द्वारा बुधवार को आयोजित अस्थमा निदान शिविर में रोगी की जांच करते चिकित्सक।

शिविर में दूर-दराज से आये रोगियों ने भी लाभ उठाया

धानणी से आए किशनलाल ने बताया कि समिति द्वारा 25 जनवरी को लगाए गए पिछले शिविर में उसने जांच करवाकर दवा ली थी, उससे उसे काफी फायदा हुआ। पहले थोड़ा सा चलते ही नसें फूल जाती थी, लेकिन एक माह दवा लेने से उसे तीस प्रतिशत फायदा है।

उसने बताया कि अब वह खुद घूम-घूमकर इस शिविर का प्रचार करता है। राधाकृष्ण ने बताया कि उसकी 68 वर्षीय बहिन सावित्री की सांस जरा सा चलते ही फूल जाती थी और भूख नहीं लगती थी। आस्था-15 के सेवन से उसे 50 प्रतिशत राहत मिली है। इनहेलर का उपयोग भी एकदम से कम कर दिया है। गुढावड़ी से पहली बार शिविर में आए सोहनलाल ने बताया कि वे पिछले पांच सालों से दमा से पीड़ित हैं, अब »शेष पृष्ठ 8 पर

किसनलाल

लादूराम

सोहनलाल

बजरंगलाल